DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

20 March, 2024

लैंगिक वेतन अंतराल

संदर्भ: *विश्व बैंक समूह की एक रिपोर्ट, महिला, व्यवसाय और कानून 2024, के अनुसार वैश्विक स्तर पर महिलाएं, पुरुषों द्वारा कमाए गए प्रत्येक डॉलर के मुकाबले केवल 77 सेंट ही कमा पाती हैं।*

➢ **गणना विधि:**

- लिंग आधारित वेतन अंतर सभी कामकाजी महिलाओं और पुरुषों के औसत वेतन स्तरों के बीच के अंतर का माप है, न कि केवल समान भूमिकाओं वाले व्यक्तियों की तुलना।
- यह "समान काम के लिए समान वेतन" से अलग है, जो योग्यता और नौकरी की ज़िम्मेदारियों के समान होने पर समान वेतन की सिफारिश करता है।

➢ **गणना में भिन्नता:**

- लिंग आधारित आय अंतराल मापन हेतु विभिन्न अध्ययनों में विभिन्न पद्धतियों का उपयोग किया जाता है, जैसे प्रति घंटा या साप्ताहिक मजदूरी, जिसके कारण रिपोर्ट किए गए आंकड़ों में थोड़ी विसंगतियां होती हैं।

➢ **अंतर को बढ़ाने वाले कारक:**

- **श्रम शक्ति भागीदारी:** सामाजिक लैंगिक भूमिकाओं के कारण वेतन वाली नौकरियों में महिलाओं की कम भागीदारी दर अंतर को बढ़ाती है।
- **व्यावसायिक अलगाव:** महिलाएँ अक्सर कम वेतन वाले उद्योगों और भूमिकाओं में ही केंद्रित होती हैं।
- **प्रबंधकीय पद:** महिलाएँ प्रबंधकीय नेतृत्व की क्षमता भी रखती हैं, विशेषकर रणनीतिक भूमिकाओं में, जो समग्र औसत वेतन को प्रभावित करती हैं।
- **उद्योग असमानताएँ:** पुरुषों के वर्चस्व वाले कुछ उद्योग उन उद्योगों की तुलना में अधिक पारिश्रमिक देते हैं जहाँ महिलाएँ प्रमुख रूप से कार्यरत हैं।
- **अंशकालिक रोजगार:** महिलाएँ अनुपातहीन रूप से अंशकालिक काम करती हैं, जिसमें अक्सर पूर्णकालिक भूमिकाओं की तुलना में आनुपातिक लाभ की कमी होती है।

➢ **सामाजिक-आर्थिक प्रभाव:**

- पुरुषों को प्राथमिक कमाने वाला मानने वाली सांस्कृतिक मान्यताएँ और महिलाओं की शिक्षा में ऐतिहासिक रूप से कम निवेश इस अंतर को बढ़ाता है।
- आवागमन और कार्यस्थल के वातावरण में सुरक्षा संबंधी चिंताएँ भी महिलाओं के करियर विकल्पों को प्रभावित करती हैं।

➢ **रोजगार आँकड़ों से अंतर्दृष्टि:**

- आयु और रोजगार अवसर के संबंध में लैंगिक आय पैटर्न विषमता दर्शाते हैं, विशेष रूप से 30 और 40 आयु वर्ग के मध्य वाली महिलाओं के लिए।
- "मातृत्व अवकाश" इस बात को रेखांकित करता है कि बच्चे के पालन-पोषण के लिए करियर में रुकावट महिलाओं की आय क्षमता को कैसे प्रभावित करती है।

➢ **विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि:**

- संरचनात्मक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अर्थशास्त्री क्लाउडिया गोल्डिन के विचार, परिवार और रोजगार में उन्नति के बीच के अंतर को उजागर करती हैं।
- मातृत्व एवं पितृत्व अवकाश और लचीली कार्य व्यवस्था जैसे नीतिगत हस्तक्षेप अंतर को समाप्त करने की गति को प्रभावित कर सकते हैं।

➢ **दीर्घकालिक दृष्टिकोण:**

- लैंगिक वेतन अंतर को समाप्त करना एक क्रमिक प्रक्रिया है, जो बदलते सामाजिक मानदंडों और नीतिगत हस्तक्षेपों से प्रभावित है।
- **विभिन्न** प्रगति के बावजूद, पर्याप्त असमानताएँ आज भी बनी हुई हैं, जिससे वेतन समानता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करना आवश्यक हो गया है।

India - Scores for *Women, Business and the Law 2024*

विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023

संदर्भ: *दिल्ली को वर्ष 2023 में सबसे प्रदूषित राजधानी शहर घोषित किया गया है।*

➢ **दिल्ली में पीएम 2.5 का स्तर:**

- दिल्ली को 2023 में दुनिया भर में सबसे प्रदूषित राजधानी शहर का दर्जा दिया गया, जहां पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों से काफी अधिक है।
- दिल्ली में औसत वार्षिक पीएम 2.5 सांद्रता 92.7 $\mu g/m^3$ थी, जो 5 $\mu g/m^3$ की अनुशंसित सीमा से कहीं अधिक है।
- बांग्लादेश का ढाका दिल्ली के बाद दूसरे स्थान पर है, जहां पीएम 2.5 का स्तर 80.2 $\mu g/m^3$ है, यह विभिन्न शहरी केंद्रों में व्यापक वायु प्रदूषण को दर्शाता है।

➢ **सबसे प्रदूषित शहर:**

- राजस्थान का भिवाड़ी भारत का सबसे प्रदूषित शहर और दुनिया का तीसरा सबसे प्रदूषित शहर है, जहां पीएम का स्तर 92.7 $\mu g/m^3$ तक फर्ज किया गया है।
- इस बर्ष दिल्ली सबसे प्रदूषित महानगरीय शहर के रूप में उभरा, जहां पीएम का स्तर 92.6 $\mu g/m^3$ था, जो सुरक्षित सीमा से लगभग 20 गुना अधिक था। मूल्यांकन किए गए 50 शहरों में यह चौथे स्थान पर रहा।

➢ **सूची में शामिल अन्य शहर**

- सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में कई शहर शामिल हैं, जिनमें पटना, मुजफ्फरनगर, दरभंगा, नोएडा, गुड़गांव, बुलंदशहर, मेरठ, चरखी दादरी, जींद, गाजियाबाद, फरीदाबाद, दादरी, हिसार और ग्रेटर नोएडा शामिल हैं।

➢ **प्रदूषण के स्तर में बदलाव:**

- दिल्ली के पड़ोसी शहरों गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में प्रदूषण के स्तर में मामूली गिरावट देखी गई। पिछले वर्षों के औसत पीएम 2.5 स्तरों की तुलना में गुरुग्राम में यह कमी 34% से लेकर फरीदाबाद में 21% तक रही।

➢ **भारत की वैश्विक रैंकिंग:**

- विश्व के 131 देशों में भारत आठवें स्थान पर रहा, जिसका जनसंख्या-भारित औसत PM2.5 स्तर 2022 में 53.3 $\mu g/m^3$ था।
- इस रैंकिंग ने वायु प्रदूषण के स्तर के मामले में भारत को चाड, इराक, पाकिस्तान, बहरीन, बांग्लादेश, बुर्किना फासो और कुवैत से पीछे रखा।
- देश का वार्षिक औसत PM2.5 स्तर 2021 में 58.1 $\mu g/m^3$ से थोड़ा कम होकर 2022 में 53.3 $\mu g/m^3$ हो गया।

➢ **बिगड़ते परिदृश्य:**

- तुलनात्मक रूप से दिल्ली की वायु गुणवत्ता 2022 से 2023 तक अधिक खराब हो गई, यहाँ औसत वार्षिक PM 2.5 सांद्रता में 10% की वृद्धि हुई।
- नवंबर 2023 में सबसे प्रदूषित महीना था, जिसमें PM 2.5 का स्तर 255.1 $\mu g/m^3$ तक बढ़ गया, जो मौसमी बदलावों और प्रदूषण के चरम समय को दर्शाता है।

➢ **क्षेत्रीय असमानताएँ:**

- भारत में, बेगूसराय और गुवाहाटी जैसे शहर PM 2.5 के स्तर के मामले में दिल्ली से आगे हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की व्यापक चुनौती को दर्शाता है।

➢ **राष्ट्रीय और वैश्विक रैंकिंग:**

- PM 2.5 के स्तर के मामले में भारत वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है, जिसकी औसत वार्षिक सांद्रता 54.4 $\mu g/m^3$ है, जो बांग्लादेश और पाकिस्तान से पीछे है।
- इस रिपोर्ट में भारत में वायु प्रदूषण के व्यापक प्रभाव पर जोर दिया गया है, जहाँ आबादी का एक बड़ा हिस्सा WHO के दिशा-निर्देशों से कहीं ज़्यादा PM 2.5 के स्तर का अनुभव कर रहा है।

➢ **स्वास्थ्य पर प्रभाव:**

- पीएम 2.5 कणों के संपर्क में आने से हृदय और तंत्रिका संबंधी बीमारियों सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के साथ-साथ मृत्यु दर में वृद्धि भी होती है।
- रिपोर्ट के चिंताजनक आंकड़े वायु प्रदूषण के प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों को दूर करने के लिए शमन उपायों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

20 March, 2024

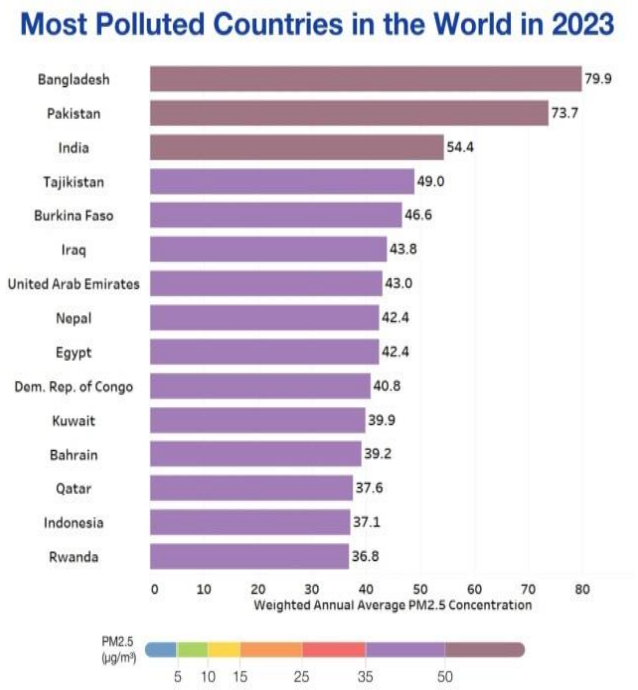

सदन की अवधि और मतदान कार्यक्रम

संदर्भ: *चुनाव आयोग ने हाल ही में लोकसभा और चार राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की और सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के लिए मतगणना की तारीख को 2 जून तक बढ़ा दिया, जो दोनों विधानसभाओं के कार्यकाल की समाप्ति के साथ संरेखित है।*

➢ **मूल चुनाव कार्यक्रम:**

- अरुणाचल और सिक्किम में विधानसभा चुनाव 20 मार्च को अधिसूचित किए जाने थे।
- नामांकन दाखिल करने की अवधि: 20 मार्च से 27 मार्च, 30 मार्च तक नाम वापस लेने की अनुमति थी।
- विधानसभा और लोकसभा दोनों के लिए मतदान 19 अप्रैल को निर्धारित है, जो मतदान का पहला चरण है।
- लोकसभा चुनाव सात चरणों में निर्धारित हैं: 19 और 26 अप्रैल; साथ ही 7, 13, 20 और 26 मई; और 1 जून।
- लोकसभा और चार विधानसभाओं की सभी सीटों के लिए मतगणना 4 जून को निर्धारित है।

➢ **मतगणना तिथि में परिवर्तन:**

- चुनाव आयोग ने 17 मार्च को घोषणा की, कि अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विधानसभा सीटों के लिए मतगणना 4 जून के बजाय 2 जून को होगी।
- यह निर्णय इस बात को ध्यान में रखते हुए लिया गया कि दोनों विधानसभाओं का कार्यकाल 2 जून को समाप्त होने वाला है, इसलिए विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के लिए मतगणना की तिथि पहले तय करना आवश्यक है।

➢ **संवैधानिक ढांचा:**

- राज्य विधानसभाओं और लोकसभा का कार्यकाल उनकी पहली बैठक से पांच साल तक रहता है, जैसा कि क्रमशः अनुच्छेद 172(1) और 83(2) में उल्लिखित है।
- आपातकाल के दौरान विस्तार की अनुमति है, लेकिन एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए और आपातकाल समाप्त होने के बाद छह महीने से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता है।

➢ **अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम पर लागू:**

- सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश की विधानसभाएं पहली बार 3 जून, 2019 को बुलाई गईं; जो दर्शाता है कि उनका कार्यकाल 2 जून, 2024 को समाप्त होगा।
- मतगणना 2 जून की मध्यरात्रि से पहले समाप्त हो जाएगी, जिससे राज्यपालों को नई विधानसभाओं के गठन के लिए अधिसूचना जारी करने की अनुमति मिल जाएगी।

➢ **चुनाव आयोग द्वारा विचार किए जाने वाले कारक:**

- चुनाव आयोग मौसम की स्थिति, त्यौहार, परीक्षा कार्यक्रम और मतदान केंद्र की उपलब्धता और चुनाव कर्मियों की लामबंदी जैसे रसद संबंधी विचारों को ध्यान में रखता है।
- विधानसभा के कार्यकाल की समाप्ति की तारीख एक प्राथमिक विचार है, जो चुनाव प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के लिए कई साल पहले से ही ज्ञात है।

➢ **पिछले उदाहरण और समायोजन:**

- हालांकि, ईसीआई ने पहले भी स्थानीय घटनाओं या रसद चुनौतियों को समायोजित करने के लिए चुनाव कार्यक्रमों को समायोजित किया है।
- वर्ष 2004 में, आंध्र प्रदेश की मतगणना अलग से निर्धारित की गई थी क्योंकि विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही लोकसभा की मतगणना भी हो रही थी।
- महत्वपूर्ण स्थानीय घटनाओं के साथ सामंजस्य बिठाने के लिए भी कार्यक्रम समायोजन हो सकता है, जैसे कि मिजोरम में रविवार से बचने के लिए मतगणना की तारीख बदलना, जो ईसाई बहुल आबादी के लिए विशेष महत्व रखता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राष्ट्रीय महिला आयोग

हाल ही में, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) और रेलवे सुरक्षा बल ने मानव तस्करी को रोकने और उससे निपटने के लिए नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग के बारे में:

- राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) भारत सरकार का एक वैधानिक निकाय है।
- इसकी स्थापना जनवरी 1992 में राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 के तहत की गई थी।
- NCW के उद्देश्यों में संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा की समीक्षा करना, विधायी परिवर्तनों की सिफारिश करना, शिकायत निवारण की सुविधा प्रदान करना, सरकारी नीति मामलों पर सलाह देना और महिलाओं के लिए सामाजिक-आर्थिक विकास में तेजी लाना शामिल है।
- इसमें एक अध्यक्ष, पांच सदस्य और एक सदस्य सचिव शामिल होते हैं, जो सभी केंद्र सरकार द्वारा नामित होते हैं।
- अध्यक्ष और प्रत्येक सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त होते हैं।
- भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य महिला आयोग राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के समान कार्य और शक्तियां धारण करते हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

20 March, 2024

वाल्मिकी टाइगर रिजर्व

हाल ही में, बिहार में स्थित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) ने गर्मियों में वन्यजीवों के लिए पानी की कमी को कम करने के लिए हरित ऊर्जा समाधानों को लागू करके सक्रिय कदम उठाए हैं।

वाल्मिकी टाइगर रिजर्व के बारे में:

- वाल्मिकी टाइगर रिजर्व बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है।
- इसकी सीमा उत्तर में नेपाल के रॉयल चितवन राष्ट्रीय उद्यान और पश्चिम में गंडक नदी से लगती है, इसमें वाल्मिकी राष्ट्रीय उद्यान और वाल्मिकी वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।
- **वनस्पति:** इसमें साल, रोहिणी, सीहोर, सागौन, बांस, सेमल, मंदार, शीशम, जामुन, गूलर और विभिन्न अन्य प्रजातियाँ जैसी समृद्ध वनस्पतियाँ शामिल हैं।
- **जीव-जंतु:** यह अभ्यारण्य बाघ, तेंदुए, छोटी बिल्लियाँ, हिरण प्रजातियाँ, जंगली सूअर और कालिज तीतर, पहाड़ी मैना, पैराडाइज़ फ्लाई कैचर और हिमालयी बुलबुल जैसे अद्वितीय पक्षियों का घर है।

बुगुन जनजाति

अरुणाचल प्रदेश में ईगलनेस्ट वन्यजीव अभयारण्य के पास स्थित बुगुन जनजाति ने हाल ही में राज्य के वन विभाग को 1,470 हेक्टेयर वन भूमि दान की है। यह दान गंभीर रूप से लुप्तप्राय बुगुन लायोकिचला गाने वाले पक्षी की रक्षा के लिए किया गया है।

बुगुन जनजाति के बारे में:

- बुगुन जनजाति, जिन्हें पहले खोवा के नाम से जाना जाता था, भारत के सबसे पहले मान्यता प्राप्त अनुसूचित जनजातियों में से एक है।
- ये मुख्य रूप से अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कमेंग जिले के सिंगचुंग उप-मंडल में निवास करते हैं।
- कृषि उनका मुख्य व्यवसाय है, साथ ही वे मछली पकड़ने, शिकार करने और मवेशी पालन का भी काम करते हैं।
- बुगुन जनजाति की एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है जिसमें लोककथाएँ, गीत, नृत्य, संगीत और अनुष्ठान शामिल हैं।
- बुगुन भाषा को खो-ब्वा भाषाओं के अंतर्गत बगुनिश/का-मेनिक भाषाओं में से एक के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- इसे यूनेस्को द्वारा लुप्तप्राय माना जाता है, इसके लगभग 10,000 वक्ता हैं जो मुख्य रूप से अरुणाचल प्रदेश के कमेंग जिले में रहते हैं।
- बुगुन परंपरागत रूप से जीववादी मान्यताओं का पालन करते थे, लेकिन वे बौद्ध धर्म (महायान) और हिंदू धर्म से प्रभावित हुए हैं, विशेष रूप से शेरडुकपेन जैसे पड़ोसी जातीय समूहों से।

बुगुन लायोकिचला गाने वाला पक्षी:

- बुगुन लायोकिचला (लियोकिचला बुगुनोरम) एक छोटा, जैतून-ग्रे रंग का गौरैया है जिसके सिर पर काली टोपी होती है और यह केवल 20 सेमी लंबा होता है। यह इमेई शान लायोकिचला से निकटता से संबंधित है।
- इसे गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है क्योंकि माना जाता है कि आवास के नुकसान और क्षरण के कारण इसकी आबादी घट रही है।
- इसे पहली बार 1995 में ईगलनेस्ट वन्यजीव अभयारण्य में देखा गया था और 2006 में डॉ. रमना अथरेया द्वारा इसे एक नई प्रजाति के रूप में वर्णित किया गया था।

क्षिप्रा नदी

हाल ही में, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) द्वारा मध्य प्रदेश में क्षिप्रा नदी के क्षरण पर एक प्रदर्शन ऑडिट किया गया।

क्षिप्रा नदी के बारे में:

- क्षिप्रा नदी, जिसे शिप्रा के नाम से भी जाना जाता है, मध्य भारत में मध्य प्रदेश राज्य की एक नदी है।
- क्षिप्रा का उद्गम विंध्य पर्वतमाला, इंदौर में काकरी बर्डी पहाड़ियों से होता है और मालवा पठार के पार उत्तर की ओर बहती है।
- इसके बाद यह उज्जैन शहर से गुजरते हुए मंदसौर जिले में मध्य प्रदेश -राजस्थान सीमा पर चंबल नदी में मिल जाती है।
- क्षिप्रा की मुख्य सहायक नदियाँ खान और गंभीर नदी हैं।

कुंभ मेला:

- कुंभ मेला उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर आयोजित किया जाता है।
- कुंभ मेला, जिसे उज्जैन सिंहस्थ के नाम से भी जाना जाता है, एक हिंदू तीर्थयात्रा और त्योहार है जो हर 12 साल में चार नदी-तट स्थलों पर होता है: हरिद्वार, प्रयागराज (इलाहाबाद) उज्जैन और नासिक।
- यह त्यौहार बृहस्पति (Jupiter) द्वारा इन स्थलों पर पूरी की गई प्रत्येक परिक्रमा का स्मरण कराता है ।
- कुंभ मेला यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में भी सूचीबद्ध है, जिसे सांस्कृतिक विरासत विविधता को प्रदर्शित करने और इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 2008 में स्थापित किया गया था।

क्राइसोटाइल

हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (EPA) ने अंततः क्राइसोटाइल एस्बेस्टस सहित सभी प्रकार के एस्बेस्टस पर व्यापक प्रतिबंध लगा दिया है।

क्राइसोटाइल एस्बेस्टस के बारे में:

- क्राइसोटाइल एस्बेस्टस, जिसे सफेद एस्बेस्टस के रूप में भी जाना जाता है, "एस्बेस्टस" शब्द के अंतर्गत वर्गीकृत छह सिलिकेट खनिजों में से एक है।
- इसकी विशेषता इसकी रेशेदार संरचना और गर्मी प्रतिरोधी गुण हैं।
- ऐतिहासिक रूप से इसका उपयोग क्लोर-क्षार उत्पादन, निर्माण सामग्री, वाहन घटकों, कपड़ा और उपभोक्ता सामान जैसे उद्योगों में किया जाता था।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इसके औद्योगिक अनुप्रयोगों के बावजूद, क्राइसोटाइल एस्बेस्टस फेफड़े के कैंसर, मेसोथेलियोमा, स्वरयंत्र कैंसर, डिम्बग्रंथि के कैंसर और एस्बेस्टोसिस सहित गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों से जुड़ा हुआ है।
- जल उपचार रसायन, क्लोरीन ब्लीच, कास्टिक सोडा बनाने के लिए क्लोर-क्षार उद्योग में क्राइसोटाइल एस्बेस्टस का उपयोग किया जाता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

काला सागर

हाल ही में, रूस ने अपने नौसेना प्रमुख को तब पदमुक्त कर दिया जब ऐसी खबरें सामने आईं कि पिछले नौसैनिक प्रमुख को काले सागर के युद्धपोतों को यूक्रेनी हमलों में बार-बार खोने से रोकने में विफल रहने के कारण बर्खास्त कर दिया गया था।

काला सागर के बारे में:

- काला सागर, जिसे यूक्सिन सागर के नाम से भी जाना जाता है, यूरोप के दक्षिण-पूर्वी सिरे पर, यूरोप और एशिया के बीच स्थित है।
- यह एक बड़ा अंतर्देशीय सागर है जो छह देशों की सीमा बनाता है जिनमें जॉर्जिया (पूर्व), रोमानिया (पश्चिम), यूक्रेन (उत्तर), रूस (उत्तर-पूर्व), तुर्की (दक्षिण) और बुल्गारिया (दक्षिण-पश्चिम) शामिल हैं।
- यह पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया के बीच स्थित है और इसे यूक्सिन सागर के नाम से भी जाना जाता है। काला सागर, बोस्फोरस जलडमरूमध्य, मर्मारा सागर और डार्डानेल्स जलडमरूमध्य से भूमध्य सागर से जुड़ा हुआ है।
- यह केर्च जलडमरूमध्य द्वारा अज़ोव सागर से भी जुड़ा हुआ है।
- इसे डेन्यूब, नीपर और डेनिस्टर नदियों से मीठे पानी का प्रवाह प्राप्त होता है।
- इसके कई द्वीप हैं, जिनमें सबसे बड़े स्नेक आइलैंड (यूक्रेन), गिरसुन आइलैंड (तुर्की) और सेंट इवान आइलैंड (बुल्गारिया) शामिल हैं।
- अपनी अद्वितीय भूवैज्ञानिक और जल विज्ञान संबंधी स्थितियों के कारण, काला सागर के गहरे पानी में ऑक्सीजन का स्तर कम है, जिससे विशिष्ट पर्यावरणीय परिस्थितियों के साथ दुनिया के सबसे बड़े एनोक्सिक बेसिन में से एक का निर्माण होता है।

सुर्खियों में स्थल

गाम्बिया

हाल ही में, गाम्बिया के सांसदों ने एक अत्यंत विवादास्पद विधेयक को आगे बढ़ाने के लिए मतदान किया, जो महिला जननांग अंग विकृति (FGM) पर लगे प्रतिबंध को हटाने का प्रयास करता है यह 2015 से लागू है।

गाम्बिया (राजधानी: बंजुल)

अवस्थिति: गाम्बिया पश्चिम अफ्रीका का एक देश है, जो अटलांटिक तट पर स्थित है।

भौगोलिक सीमाएँ: गाम्बिया अपनी सीमाएँ सेनेगल (उत्तर, पूर्व और दक्षिण) और अटलांटिक महासागर (पश्चिम) के साथ साझा करता है।

भौगोलिक विशेषताएं:

- गाम्बिया नदी गाम्बिया की प्रमुख नदी है, जो गिनी से सेनेगल होते हुए अटलांटिक महासागर में बहती है।
- गाम्बिया में उष्णकटिबंधीय सवाना जलवायु है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में किस राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की आबादी को संरक्षित करने के लिए जेनेटिक रेस्क्यू का प्रस्ताव किया गया है? – **रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान**
- विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023, जो हाल ही में समाचारों में देखी गई, किस संगठन द्वारा प्रकाशित की गई है? – **स्विस संगठन IQAir**
- हाल ही में समाचारों में देखी गई विकासशील देश व्यापार योजना (DCTS) किस देश से संबंधित है? - **यूनाइटेड किंगडम**
- हाल ही में समाचारों में देखा गया मिशन 414 अभियान किस राज्य में शुरू किया गया है? - **हिमाचल प्रदेश**
- ई-क्रॉप, एक फसल सिमुलेशन मॉडल-आधारित उपकरण, निम्नलिखित में से किस संस्थान द्वारा विकसित किया गया था? - **केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, केरल**